प्रति घंटे की दर से 45000 कुल टन भार और 38 फीट डुबाव के जहाजों पर मुख्यत: कच्चा लोहा लादने के लिये विकसित किया जायेगा। प्रथमत: इस में लगभग 80 लाख टन की वार्षिक मात्रा का धरना उठाना किया जायेगा।

(ख) इस काम में लगभग तीन वर्ष लगेंगे ।

(ग) चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में मुख्य पत्तनों के लिये आवश्यक व्यवस्था की जा रही है और इसे अन्तिम रूप दिया जा रहा है। इस बीच मारमोगोआ पत्तन के विकास के लिये 1966–67 के लिये योजना में 100 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है ।

खाद्य उत्पादन सम्बन्धी संयुक्त कार्यक्रम

22. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पंजाब तथा राजस्थान से खाद्य उत्पादन के सम्बन्ध में कोई संयुक्त कार्यक्रम का प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ है और क्या सरकार ने उस पर विचार कर लिया है ;

(ख) क्या संबंधित राज्यों के मुख्य मंत्रियों और खाद्य मंत्रियों में इस बारे में विचार विमर्श किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उस का क्या परिणाम निकला है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शिन्डे) : (क) से (ग). इस मंत्रालय को पंजाब तथा राजस्थान से खाद्य उत्पादन के सम्बन्ध में किसी संयुक्त कार्यक्रम के प्रस्ताव के बारे में जानकारी नहीं है, और न इस बात की जानकारी है कि इस विषय पर सम्बन्धित राज्यों के मुख्य मंत्रियों तथा खाद्य मंत्रियों में विचार-विमर्श हुआ ।

लम्बी विमान यात्रा

25. **श्री द्वा० ना० तिवारी :** क्या परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान अमरीकी संघानीय उड्डयन अभिकरण द्वारा की गई इस गवेषणा की ओर दिलाया गया है, कि लम्बी हवाई यात्रा करने के पश्चात् यात्री 24 घंटों तक मानसिक असंतुलन तथा अस्त-व्यस्तता अनुभव करते हैं और तीन से लेकर पांच दिनों तक शारीरिक कार्यों में असामान्यता अनुभव करते हैं;

(ख) क्या सरकार को मालम है कि ऐसा समझा जाता है कि अमरीका सरकार अपने राजनयिक प्रतिनिधियों को विदेशों में महत्वपूर्ण बातचीत आरम्भ करने से पूर्व 24 घंटे तक विश्राम करने के आदेश देने का विचार कर रही है; और

(ग) क्या सरकार ने यहां भी ऐसी कोई गवेषणा कारवाई की है, और यदि हां, तो उस के क्या परिणाम निकले हैं ?

परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री (श्री संजीव रेड्डी) : (क) और (ख). लम्बी दूरी की उड़ानों पर, जिन पर टाइम साइकिल बेजेज का प्रश्न उठता है, विमान कर्मीदल में और यात्रियों में हुए मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों के बारे में यू० एस० ए० सहित कुछ पश्चिमी देशों द्वारा की गयी गवेषणा के बारे में सरकार परिचित है । वह प्रेस रिपोर्ट सरकार की नोटिस में भी आ गई है जिस के अनुसार यू० एस० ए० के स्टेट डिपार्टमेंट से, अपने राजनयिकों को विदेशों में महत्वपूर्ण बातचीत करने से पहले कम से कम एक दिन

तक विश्राम करने का औपचारिक तौर पर आदेश देने की आशा की जाती है ।

(ग) सरकार ने भारत में ऐसा कोई अनुसन्धान नहीं किया है ।

दिल्ली में आगन्तुकों के लिये भोजन व्यवस्था

26. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्री भागवत झा आजाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या **खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रति दिन अनुमानतः कितने व्यक्ति कुछ दिन तक रहने के लिए दिल्ली में आते हैं और राशनिंग विभाग ने उन के भोजन के लिए किस प्रकार की व्यवस्था की है; और

(ख) राशन व्यवस्था लागू किये जाने से पहले, उन लोगों के लिए, जो होटलों में नहीं ठहरते अथवा ढाबों में भोजन करते हैं, कोई व्यवस्था न किये जाने के क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) दिल्ली में थोड़ी अवधि के लिये आने वाले लोगों की संख्या का कोई अनुमान नहीं लगाया गया है । दिल्ली में आने वाले व्यक्तियों जिन की तीन दिन तक रहने की सम्भावना है, द्वारा या उन के लिये अस्थायी राशन कार्ड प्राप्त किये जा सकते हैं । दिल्ली में जिन की तीन दिन से कम रहने की सम्भावना है, उन के लिए दिल्ली में बहुत बड़ी संख्या में भोजनालय हैं जिन्हें उन की पूर्व खपत के आधार पर राशन परमिट दिये गये हैं । एसोसियेशनों, व्यापार-गृहों जिन्हों ने बाहर से आने वाले महमानों और या ग्राहकों को भोजन खिलाने के लिये अपने रसोईघर बनाये हुए हैं, उन्हें भी राशन परमिट जारी किये गये हैं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Repatriation of Indian and Pak. Officers and Crew

27. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shri Himatsingka:
Shri Narayan Reddy:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:

Will the Minister of **Transport, Aviation, Shipping and Tourism** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India and Pakistan have repatriated all Officers and crew detained by them during the recent conflict between them; and

(b) if so, number of officers and crew repatriated and number of those still left in India and Pakistan?

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): (a) It is a fact that a decision to repatriate all officers and crew of sea-going and I.W.T. vessels has been taken and implemented.

(b) (i) All Pakistani officers and crew of Pakistani vessels detained in India numbering 154 have been repatriated;

(ii) All Indian officers and crew of sea-going vessels, numbering 171, have been repatriated. Out of 259 I.W.T. crew interned in East Pakistan, all but 16 are understood to have returned. Enquiries are being made about the others.